जागरण सिटी
दिल्ली
नई दिल्ली, 18 फरवरी 2013

मैराथन में बुलंद हुई महिला सुरक्षा की आवाज

- बारिश भी पस्त नहीं कर सकी धावकों का हौसला
- करीब दस हजार लोगों ने लगाई दौड़

इंडिया गेट पर आयोजित मैराथन में महिला सुरक्षा से संबंधित बैनर लेकर दौड़ते धावक। जागरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : महिलाओं की सुरक्षा की आवाज रविवार को दिल्ली में आयोजित मैराथन में भी उठी। हाथ में बैनर लिए एथलीट नारी सुरक्षा की आवाज बुलंद किए हुए थे। करीब दस हजार लोगों ने रिमझिम बारिश के बीच दौड़ लगाई।

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से सुबह करीब साढ़े सात बजे इंडिया गेट से मवाना सुगर ओपन मैराथन शुरू हुई। इसमें 42 किलोमीटर की फुल मैराथन व 21 किलोमीटर की हॉफ मैराथन शामिल थी। इसके लिए करीब 12,500 लोगों ने पंजीकरण कराया था। बारिश के कारण कयास लगाया जा रहा था कि ज्यादा लोग हिस्सा नहीं लेंगे। फिर भी दस हजार लोगों ने फुल व हॉफ मैराथन में हिस्सा लिया। सेना, पुलिस, अर्द्ध सैनिक बल के जवान और कारोबारियों के अलावा राष्ट्रीय स्तर के एथलीट भी शामिल हुए। मैराथन का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना व खेलों को बढ़ावा देना था। एशियन मैराथन चैंपियन रहीं पूर्व भारतीय महिला एथलीट सुनीता गोदारा तीन सौ धावकों की टीम के साथ पहुंचीं। इसमें सौ राष्ट्रीय महिला धावक थीं। दौड़ से पहले उन्हों महिला सुरक्षा हमारा अधिकार की जोरद पैरवी की। इसका बैनर लेकर कुछ लो दौड़े भी। सुनीता गोदारा ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं दुष्कर्म होने पर सिर्फ अपराधी को गिरफ्त कर लेने से काम नहीं चलेगा। सड़क प महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो चाहिए। ताकि महिलाएं बिना डर के घर निकल सकें।

अरविंद व नीलम ने मारी बाजी : पु मैराथन में पुरुषों के वर्ग में उत्तर प्रदेश अरविंद राजपूत (2:21:44) व महिला के वर्ग में नीलम मारुति कदम (3:01:02 विजयी रहे। हाफ मैराथन में पुरुषों वर्ग में राजस्थान के विश्राम मीणा महिला वर्ग में उत्तराखंड की किरण तिवा ने बाजी मारी। विजेताओं को पुरस्कार तौर पर ढाई-ढाई लाख रुपये दिए ग मैराथन में कुल 15 लाख रुपये का पुरस्क वितरण हुआ।